voraussagen, anzeigen: प्रापत्प्राप्ती परामिद्धं बद्ति Âçv. Gres. 4,4,5. म्रतिम्क्तककृत्राभ्यां कर्पासं सर्षपान्वरेर्शनै: VARAH. Врн. S. 29, 5. 5, 77. 7,19. 46,23. 87. 68,1. स प्रत्यर्त देवेभ्या भागमंबद्द्रपरातुम्स रिभ्यः so v. a. zusprechen, zusagen TS. 2,3,4,1. Balg. P. 6,9,2. besagen, bezeichnen: केशादिशब्देभ्यः पराः पाशादयः शब्दाः केशभ्यम्तं वदित H. ४६८, Sch. म्र-त्तः स्वे ऽङ्गे (स्पष्टे) स्वजन डॉइतः anyedeutet VARAH. BRH. S. 51,25. — d) behaupten, annehmen: शमार्थिन: कालगतिं वदत्ति MBn. 13,25. शतमे-काधिकमेके सक्समपरे वहित केत्नाम् Ульян. Вви. S. 11, 5. 21, 5. 23, 4. PRAB. 112, 15. SARVADARÇANAS. 126, 14. - e) bezeichnen als, erklären für, nennen: स्वर्गी लोक इति यं वर्रात AV. 11, 1, 7. TBR. 3, 1, 2, 1. लामेव प्रत्यतं ब्रह्मावादिषम् Tarri Ur. 1,12. स्वभावमेके कवया वदत्ति — येनेदं अम्यते ब्रह्मचन्नम् Çverâçv. Up. 6,1. AV. Paar. 3,65. M. 3,182. 213. 284. 4,221. 8,103. 9,172. 12,123. MBH. 3,8351. R. 5,52,18. ÇAK. 38. 165. ÇRUT. 25. Spr. 2660. 2707. 2711. 2887. 3657. Kar. zu Р. 2,1,32. VARÂH. Bru. S. 68,116. Bala. P. 2,4,21. 3,1,10. तद्वपरागमिति वदित लोकाः 5,24,3. - f) die Stimme ertönen lassen (von Vögeln u. s. w.); tönen, schallen, klingen: वयो वर्रत: RV. 2,43,1. 10,146,2. Frösche 7,103,5. 6. यद्या वदत्येषः — शालावकः MBн. 3,15674. यद्या वदत्ति शातायां दिशि वै मृगपितणाः 16875. क्रारम् 15669. सारसाः – वदत्ति मध्रा वाचः 11612. कशा रुस्तेषु यहदान् RV. 1,37,3. ग्रावा यत्र वर्दति 83,6. हुन्हु भि: AV. 12, 1,41. बीगा: Kāṭu. 34,5. Kauç. 84. वृष्टि: Maitrjup. 6, 22. — 2) med. a) sagen, sprechen: वदस्व यत्ते वाखम् ÇAT. BR. 4,3,1,1. 9,2,1,17. 4,2, 17. 14, 3, 1, 30. स कयं वर्से शत्रुन्यध्यस्व गर्येति कि мви. 9, 1901. 1, 4527. 5125. 3,16893. 4,287. 13,999. R. 5,59,18. KATHAS. 49,159. MARK. Р. 49,2. 134,22. प्रतिवाकां वरस्व МВн. 3,2732. सत्यं वरे 13722. व्ष-पर्वाणामवद्त sprachen zu 11544. वदस्वैनं निदेशान्मम शासनम् R. 7,23, २,७. देवाना लामकं वचनाह्दे ich spreche zu dir im Namen der Götter Mark. P. 66, 24. besprechen, sprechen über, mittheilen, angeben: ज्ञा-त्रार्श्वमवदेताम् TS. 2, 5,8,3. वदस्व तिहमूती: Вилс. Р. 3,7,23. 10,2. 8, 1,1. 5,12. 14,1. तद्दर्ध वरान्सर्वे R. 7,36,9. वरस्वैनं तत्त्ववा मम angeben so v. a. mit Namen nennen Harry. 9996. — b) sich besprechen über (loc.): देवा रतस्यीमवदत्त पूर्वे RV. 10,109,4. देवा ब्रह्मनवद्त TS. 3,5, 3,2. sich streiten um: मनश्च क् वै वाक्काक्ंभन्न जदाते Çar. Br. 1,4,5,8. - c) sich nennen, sich ausgeben für: त्रीये हैव संग्रहितारे। वदत्ते Air. Br. 2,25. — d) भासने P. 1,3,47. ज्ञाने ebend. und Vop. 23,39. wohl so v. a. eine Autorität sein, hervorstechen, sich auszeichnen: शास्त्रे वदते = भासमाना ब्रवीति oder सम्यग्बोधपूर्वकं वर्रति P., Sch. पाणिनिर्वरते Vor. लङ्का समाविशद्रात्री वदमाना अरिडर्गमाम् so v. a. triumphirend Bhatt. 8,27. - e) sich bewerben um (पत्ने) P. 1,3,47. Vop. 23,39. तेत्रे P., Sch. Vor. - Vgl. म्रनुद्ति, 1. उद्य, पद्योदित, वाद्य.

— caus. वार्रेपति, ेते (संदेशवचने, v. l. संदेशने, भाषणे) Duatup. 34, 34. med. P. 1,3,89. Vop. 23,58. 1) Etwas sagen —, sprechen lassen: म्रतिवारं न प्रवर्त्त वार्येखः MBH. 5,1270. Jmd zum Reden veranlassen, — auffordern: वार्तितो ऽपि न वर्ति Verz. d. Oxf. H. 156, a, 24. — 2) ertönen —, erklingen lassen, spielen (ein musikalisches Instrument); act., selten med.: वीणाम् ÇAT. Ba. 3,2,4,6. 13,1,5,1. TBR. 3,9,14,1. MBH. 3,1843. R. Gorr. 2,100,23. Spr. 1523. KATHAS. 11,3. 34,159. fg. 49,23. 32. Hir. 63,13. P. 8,1,59, Sch. वीणा वाखते वेणुः पूर्वत Comm. zu Nia-

JAS. 2,1,15. श्रायसेषु वाद्यमानेषु Kâty. ÇR. 21,3,7. ÇâñkH. ÇR. 17,3,13. 16. Lâți. 4,1,7. वादित्राणि М. 4,64. МВн. 3,12097. Внас. Р. 3,24,7. म्राताखानि Катыля. 34, 171. 37, 72. तुर्याणि Выл. Р. 4, 1, 53. दुन्दुभ-यो नेह्र्देवमानववादिताः 1, 9, 45. Катиль. 37, 64. 65, 75. fg. Вилтт. 3, 34. 15, 4. घएटाम् Pankat. 229, 13. Hir. 59, 17. 20. पर्यङ्कं साङ्गलीयेन पाणिना । वाद्यन्निव Rà6a-Tar. 4, 439. तलतालान् MBn. 3,12379. पा-णिवादानि R. 2,65,4. सर्वतुर्यस्वनै: — वाद्यमानै: R. Goar. 1,79,40. दत्त-वीणाम् so v. a. mit den Zähnen klappern Pankat. 94,4. med.: वाद्यते वेगाम Gir. 5,9. परकान Mark. P. 82,54. घएरा वार्यान: Pankar. 3,8,10. वादपाना नवान Harry. 10770. Statt des acc. ausnahmsweise der loc.: वीणायाम् Kathas. 106, 12. Ohno Ergänzung musiciren: गायज्ञत्यन्वा-द्पंद्रा MBH. 1,3206. 4,305. Hariv. 11029. R. 1,34,13 (35,12 Gorr.). 2, 69, 4. वादित n. Instrumentalmusik: गीतवादित्रप्रदित Gobb. 3, 3, 22. МВн. 4,308. fg. Spr. 1766. VARAH. BRH. S. 33,23. BRH. 27 (25), 9. व्याय-मान n. dass.: भेरोशङ्कम्दङ्गाना पणवाना सरुम्रशः । वाखमानं स (वाखमा-নানি die neuere Ausg.) Harry. 6889. — 3) von Jmd (ein musikalisches Instrument) spielen lassen: म्रवोवदद्यीणां पार्वादकेन Schol. zu P. 1,1, 58, Vartt. 2. 7, 4,1, Vartt. 3. 93, Vartt. 1. - 4) sprechen, hersagen: नान्दीं च वाद्यामास प्रख्नों गद् एव च स्रार. 8692. die neuere Ausg. liest नान्दि und Nilak. fasst das Wort fälschlicher Weise in der Bed. eines musikalischen Intruments. — Vgl. जलवादित.

- desid. zu sagen —, zu sprechen beabsichtigen: सत्यं विविद्यित् Gobb. 1.5.27.
- intens. वाबद्गिति P. 7,3,94, Sch. laut reden, tönen: केतुमहु-न्डुभिर्वाबद्गिति (vgl. P. 2,4,74 Sch.) R.V. 6,47,81. जिल्ल्पा 39,6. 10,67, 3. 68,1. AV. 6,126,3. 20,135,13. वाबर्यमान ÇAT. BR. 1,7,4,19. 8,2,12.
- श्रद्ध P. 1,4,69. Vor. 8,141. begrüssend anreden, einladen; act. RV. 1,38,13. 5,83,1. श्रद्धां च ब्रेना नर्ममा वर्दामि 8,21,6. 10,88,14. Vi-LAKH. 3,3. VS. 16,4. AV. 6,59,3. 142,2. 8,7,1. 12,1,27.
- म्रति act. 1) übertönen, lauter oder besser reden, niederschwatzen, niederdisputiren: दुन्ड्रिभि: सर्वा वाचा ऽतिवर्ति TBn. 1, 3, 6, 2. राष्ट्रं विश्वमिति वर्ति 8, 3, 2. म्रतिवार्तेन देवा म्रसुरानत्युव्ययिनानत्यायन् Air. Bn. 6, 33. Çat. Bn. 11, 6, 2, 5. 14, 6, 9, 20. Райках. Bn. 12, 13, 14. Shapv. Bn. 2, 3. एष तु म्रतिवर्ति पः सत्येनातिवर्ति кылы. Up. 7, 16, 1. वृह्यानातिवरेङ्जातु (नाभिभवेङ्जातु ed. Bomb.) MBn. 13, 7578. 2) mehr sagen, überfordern: पार्वद्वाताभिमन्स्येत् तम्राति वरेत् Av. 11, 3, 25. Vgl. म्रतिवार, वारिन, मृत्युद्ध.
 - अन्यति act. = अति 1) Pankav. Bu. 8,3,6.
- ऋधि act. dabei --, dazu sprechen: उमामगू-पात्रश्नामृतस्येत्यधि-वहति TBa. 3,8,3,2. ÇAT. Ba. 7,1,1,14. 2,1,12. 3,1,24. - Vgl. ऋधिवाट.
- म्रत् 1) nachsprechen, (Laute) nachahmen; act.: चित्तं वा इदं मना वा गतुवद्ति ÇAT. Ba. 3,2,4,16. पूर्वमेवोदितमनुवद्ति KAIH. 19,4. AIT. Ba. 2,40. इति वाचं वदत्तों सर्वे प्राणा मनुवद्ति KAUSH. Up. 3,2. SAH. D. 192, 1. SAHVADARÇANAS. 28,10. गिरं नः मनुवद्ति मुकः RAGH. 5,74. तत्क्रात्मिनुवद्दिः गृक्लपात्शतैः SAH. D. 41,9. mit Worten begleiten: मन्वेमा वद्ति पद्दाति तत् RV.2,13,3. nachtönen: मनुवद्ति वोणा P. 1,3,49, Schol. Als intrans. med. P. 1,3,49. Vop. 23,40. मनुवद्ते कठः कलापस्य der Kaiha wiederholt die Worte des Kal. P., Sch. घाषस्या-